बंशीधर तिवारी, आई.ए.एस.
महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा

महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन मार्ग,देहरादून
दूरभाष नम्बर: 0135-2780483,
फैक्स- 2780140
E-Mail: dgeduuk@gmail.com

गणतंत्र दिवस सन्देश

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सर्वप्रथम मैं देश के स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता हूँ, जिनके त्याग और बलिदान से हमारा देश आज़ाद हुआ और इस पुनीत अवसर पर विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता उन्नयन के लिए तत्पर समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों और शिक्षा अधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण पर बल देती है। हमारे नौनिहाल राष्ट्र के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित हों, इसके लिए 'उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा द्वारा 'हमारी विरासत और विभूतियां' नाम से पुस्तकें तैयार की जा रही हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बच्चों को उनकी मातृभाषा के माध्यम से सांस्कृतिक जड़ो से जोड़ा जा रहा है। इसी के दृष्टिगत गढ़वाली, कुमाऊनी, जौनसारी और अन्य भाषा में पुस्तकों का निर्माण का कार्य प्रगति पर है। एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा विकसित 'बरखा' सीरीज की पुस्तकों का उत्तराखण्ड की विशिष्ट सांस्कृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यहां की स्थानीय भाषाओं में अनुवाद किया गया, जिसकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई है।

बुनियादी साक्षरता एवं अंक ज्ञान को सुदृढ़ करने और नौनिहालों के भावी शैक्षिक विकास को ध्यान में रखते हुए राज्य में बालवाटिका कक्षा का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है। इस हेतु बालवाटिका हस्तपुस्तिका, प्रशिक्षण साहित्य विकास और विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण संचालित किए गये है। राज्य में विद्या समीक्षा केन्द्र का प्रभावी संचालन शुरू होने से विद्यालयी शिक्षा के अनुश्रवण में सहायता प्राप्त हो रही है। स्विफ चैट के माध्यम से प्रति दिवस शिक्षकों और कक्षावार विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज हो रही है। वही कृत्रिम बुद्धि के माध्यम से सभी विषयों में विद्यार्थियों को शैक्षिक मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में पी0एम0 श्री विद्यालयों की स्थापना मील का पत्थर साबित होने जा रही है। इसके अन्तर्गत 141 विद्यालयों में आधारभूत ढांचे का विकास किया जा रहा है।

क्लस्टर विद्यालयों का निर्माण भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश में 559 क्लस्टर विद्यालयों के निर्माण का शासनादेश जारी किया जा चुका है। अपवंचित एवं कमजोर वर्ग के छात्र-छात्राओं को विद्यालयी शिक्षा की मुख्य धारा में बनाए रखने के लिए 53 आवासीय छात्रावासों का संचालन किया गया है, जिसमें 5200 बालक

बालिकाओं के लिए निःशुल्क आवासीय व्यवस्था के साथ निःशुल्क भोजन, गणवेश, पठन-पाठन की सामग्री और छात्रवृत्ति की सुविधा दी गयी है।

राजकीय विद्यालयों में डिजिटल लर्निंग के लिए 500 विद्यालयों में वर्चुअल कक्षाएं तथा 709 विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाएं संचालित की गई है। प्राथमिक स्तर के 22 हजार से अधिक शिक्षकों को टेबलेट हेतु धनराशि दी गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम को 200 विद्यालयों में 8 ट्रेडों के साथ संचालित किया गया है, जबकि 331 विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2024-25 में यह पाठ्यक्रम पूर्ण रूप से लागू किया जाएगा। विद्यार्थियों में उद्यमशील मानसिकता के विकास के लिए कौशलम पाठ्यक्रम के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हो रहे है।

आशा है कि शिक्षा से जुड़े समस्त हितधारकों के समन्वित प्रयास से केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास फलीभूत होंगे। शिक्षा की गुणवत्ता के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु समस्त शिक्षा अधिकारियों, शिक्षकों एवं शैक्षणिक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु दृढ़ संकल्प लेना होगा। ऐसी मेरी अपेक्षा है। गणतंत्र दिवस के इस राष्ट्रीय पर्व पर आप सभी को अप्रितम बधाइयां।

शुभेच्छु।

(बंशीधर तिवारी)
महानिदेशक,
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।